निरीक्षण आख्या

जनपद – बस्ती

दिनांक– 29.08.2017 से 30.08.2017

भ्रमण दल के सदस्यों के नाम

डा0 अनिल कुमार मिश्रा,	महाप्रबन्धक, ट्रेनिंग
डा0 अर्पित श्रीवास्तव,	सलाहकार, आर0आई0
मुहम्मद फिरोज,	कार्यक्रम समन्वयक, आर.बी.एस.के.

प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में दिनांक 29.08.2017 से 30.08.2017 को जनपद बस्ती का भ्रमण किया गया। भ्रमण में पाये गये निम्न बिन्दुओं पर आपका ध्यान आकृष्ट करना है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कप्तान गंज, बस्ती

- अधीक्षक, डा0 विनोद कुमार, द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन यहॉ 300 से 400 ओ0पी0डी0 होती है एवं प्रत्येक माह 100 से 120 डिलेवरी होती है उस के लिये दवाओं की उपलब्धता कम हो जाती है।
- अधीक्षक, डा0 विनोद कुमार, द्वारा मरीजों को वाहर की दवाये लिखी जा रह थी जिसके लिये उन्हें चेतावनी दी गयी कि आगे से कोई भी दवा बाहर की न लिखी जायें।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर साफ सफाई की व्यवस्था थी और आई0ई0सी0 प्रदर्शित की गयी थी।
- लेबर रुम में एम0एन0एच0 टूलकिट के अनुसार प्रोटोकाल पोस्टर लगे हुये थे।
- लेबर रुम में एम0एन0एच0 टूलकिट के अनुसार ट्रे उपलब्ध थी।
- लेबर रुम में सेनेटरी नेपकिन पैड उपलब्ध नहीं थे, जबकि चिकित्सालय के स्टोर में सेनेटरी नेपकिन उपलब्ध थे।

- डिलीवरी रजिस्टर पर एम0सी0टी0एस0 नम्बर दर्ज नही किया जा रहा था।
- पार्टोग्राफ नही भरा जा रहा था।
- कोल्ड चेन रुम में स्टेपलाइजर को प्रयोग नही किया जा रहा था जिसके लिये निर्देशित किया गया कि तुरन्त स्टेबजाइजर लगा कर प्रयोग किया जायें।

- उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नामवार सूची उपलब्ध नहीं थी।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे नहीं रोका जाता है।
- परिवार नियोजन एवं अन्य कार्यक्रमों के अन्तर्गत ब्यापक प्रचार –प्रसार की बहुत कमी पायी गयी।
- JSSK के अन्तर्गत प्रसूताओं को Free Diet की सुविधा उपलब्ध थी। सी0 एच0सी0 स्तर से ही प्रसुताओं को डाइट उपलब्ध करायी जा रही हैं।
- **वायों वेस्ट मैनेजमेन्ट की समुचित व्यवस्था थी। एजेन्सी के माध्यम से उसका रखाव व निस्तारण किया जा रहा है।**

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– मरवटिया

- समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मरवटिया पर सायं 7.30 बजे भ्रमण किया गया। भ्रमण के समय डा0 अफताब रजा, अधीक्षक, श्री एस.एस.पाण्डेय, फर्मासिस्ट, अश्वनी कुमार– बी.पी.एम., अखिलेख त्रिपाठी– बी.सी.पी.एम., पवन कुमार– बी.ऐ.एम., संगीता देवी–स्टाफ नर्स, सरोज देवी–स्टाफ नर्स, कु0 संगीता– स्टाफ नर्स, दिलीप कुमार, फार्मासिस्ट एवं वार्ड व्वाय इत्यादि उपस्थित थे।
- समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर साफ सफाई की उचित व्यवस्था थी और आई0ई0सी0 प्रदर्शित की गयी थी।
- सिटीजन चार्टर एवं शिकायत पेटिका उपलब्ध थी।
- पीने के पानी हेतु आर0ओ0 की सुविधा उपलब्ध थी।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के मुख्य उपकेन्द्र पर लेबर रुम में एम0एन0एच0 टूलकिट के अनुसार प्रोटोकाल पोस्टर लगे हुये थे।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के मुख्य उपकेन्द्र पर लेबर रुम में लगी डिजीटल घड़ी नही थी जिसको लगाने का सुझाव दिया गया ।
- विगत माह स्वास्थ्य केन्द्र पर 34 डिलीवरी की गयी जिसका सभी लाभार्थियो को JSY का भुगतान कर दिया गया था।
- अस्पताल परिसर में अन्दर लाइट की अच्छी व्यवस्था थी परन्तु अस्पताल के गेट एवं वाहर लाइट प्रयाप्त मात्रा में नही थी जिसके लिये मेन गेट एवं वाहर अच्छी लाइट की व्यवस्था करने के सुझाव दिये गये।

जिला महिला चिकित्सालय, बस्ती

- चिकित्सालय परिसर में साफ सफाई अच्छी नही थी । साफ–सफाई संतोष जनक नही थी।
- चिकित्सालय परिसर में टेलीविजन का संचालन नही हो रहा था। दोंनो टी0वी0 खराब वतायी गयी।
- पैथोलॉजी की सेवायें सन्तोष जनक नही थी। वेसिन में ही सभी सिंरिज डाले जा रहे थे जिसके लिये सी0एम0एस0 महोदय से सम्बन्धित के उपर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।
- अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि डा0 अरुण त्यागी, जिला महिला चिकित्सालय के साथ कैली अस्पताल में भी पैथोलीजी का कार्य किया जा रहा है।
- एस0एन0सी0यू0 यूनिट संचालित की जा रही थी। एस0एन0सी0यू0 यूनिट में 31 बच्चें एडमिट थें।
- एस0एन0सी0यू0 यूनिट में 2 पिडियाट्रीशियन उपलब्ध है।
- एस0एन0सी0यू0 यूनिट में कार्यरत स्टाफ नर्स को 5 माह से वेतन नही मिल रहा है। एस0एन0सी0यू0 यूनिट में बच्चों की पहचान हेतु टैग नही लगाया जा रहा था।
- अल्ट्रासाउण्ड मशीन 15 दिन से कार्य नही कर रही है।
- (JSSK) के अन्तर्गत लाभार्थियों को भोजन प्रदान किया जा रहा था। वार्ड में दिये जाने वाले भोजन की जानकारी के विषय में दीवार लेखन नहीं था।

जिला पुरुष चिकित्सालय बस्ती

- पुरुष चिकित्सालय के अधीक्षक डा0 ऐ0के0 श्रीवास्तव उपस्थित थें।
- पुरुष चिकित्सालय में बना हुआ जे0 ई0 वार्ड का निरीक्षण किया गया।
- भ्रमण के दौरान पाया गया कि वार्ड में आक्सीजन कन्ट्रोल पैनेल लगाया जा रहा था जिसके लिये सम्बन्धित से जब वार्ता की गयी तो संज्ञान में आया कि कन्ट्रोल पैनल वर्ष 2014–15 में लगाया जाना था परन्तु एजेन्सी द्वारा अब लगाया जा रहा था जिसके लिये अधीक्षक महोदय को सम्बन्धित एजेन्सी के विरुद्व कार्यवाही करने के सुझाव दिये गयें।

- वार्ड में 10 वेन्टीलेटर में 7 सही कार्य कर रहें थे 3 वेन्टीलेटर खराब पाये गये।
- महाप्रबन्धक द्वारा अधीक्षक महोदय को प्रत्येक सप्ताह वार्ड के भ्रमण करने का सुछाव दिया गया।
- संज्ञान में पाया गया कि वार्ड में कार्यरत संविदा स्टाफ नर्स को माह अप्रैल से अभी तक मानदेय का भुगतान नही किया गया था जिसके लिये अधीक्षक ने बताया कि स्टाफ के मानदेय का भुगतान मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से भुगतान किया जाता है।
- भ्रमण के दौरान पाया गया कि 28 आक्सीजन सिलेन्डर भरे पाये गये।
- वार्ड में पिडियाट्रिशियन का पोस्ट रिक्त है जिसको भरने की आवश्यकता है।

ओपेक चिकित्सालय, कैली बस्ती

- ओपेक चिकित्सालय, कैली बस्ती के अधीक्षक डा0 अतुल कुमार (कार्यवाहक) उपस्थित थें।
- चिकित्सालय में बना हुआ जे0 ई0 वार्ड का निरीक्षण किया गया।
- PICU वार्ड का निरीक्षण किया गया। अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि वार्ड में 2 मेडिकल आफिसर एवं 2 पिडियाट्रिशियन तैनात है। अन्य के लिये दिनांक 18.07.2017 को साक्षात्कार हो गया गया है एवं सम्बन्धित फाइल जिलाधिकारी महोदय के पास भेजी गयी है।
- वार्ड में 10 वेन्टीलेटर कार्य कर रहें है।
- PICU वार्ड में एक डीफिब्रीलेटर मशीन थी परन्तु वार्ड में उपस्थित कर्मचारियों में से कोई भी चला नही पाये। निर्देशित किया गया कि PICU से सम्बन्धित गाइड लाईन का अभिमुखीकरण समस्त स्टाफ को कराया जाये।

- निरीक्षण के दौरान संज्ञान में आया कि मरीजों से कुछ दवायें बाहर से मंगायी जा रही है जिसके लिये अधीक्षक महोदय के संज्ञान में लाया गया। उन्होंने सम्बन्धित के उपर कार्यवाही करने तथा भविष्य में कोई भी दवा बाहर से नहीं लिखने के निर्देश दिये गये।
- भ्रमण के दौरान पाया गया कि 20 बडें आक्सीजन सिलेन्डर भरे पाये गये।

उपकेन्द्र डुहवा मिश्र, हरैया

- एन.एन.एम. श्रीमती रत्न लेखा द्वारा उपकेन्द्र पर निवास किया किया जा रहा था।
- उपकेन्द्र पर साफ सफाई ठीक थी और आई0ई0सी0 को प्रदर्शित किया गया था।

- उपकेन्द्र पर श्रीमती उर्मिला एवं श्रीमती कन्चन लता आशा उपस्थित थी। वी.एच.एन.डी. में आशा एवं आंगनवाडी के द्वारा बच्चों को बुलाने एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा था।
- एन.एन.एम. श्रीमती रत्न लेखा द्वारा अवगत कराया गया कि प्रत्येक माह उपकेन्द्र पर 10 से 12 प्रसव होते है।
- श्रीमती उर्मिला आशा के क्षेत्र में 4 कुपोषित बच्चे एवं श्रीमती कन्चन लता आशा के क्षेत्र में 2 बच्चे कुपोषित पाये गये है, जिसके लिये निर्देशित किया गया कि सभी बच्चों के एन0आर0सी0 में जल्द से जल्द भर्ती करायें।
- एन.एन.एम. श्रीमती रत्न लेखा द्वारा अवगत कराया गया कि भवन जर्जर हो चुका है उसके छत का पलास्टर गिरता रहता है।

प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 30.08.2017 को जनपद–बस्ती में जनपद मुख्यालय पर मुख्य चिकित्साधिकारी के सभा कक्ष में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, डी0टी0ओं0, मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, के साथ टीम लीडर डा0 अनिल कुमार मिश्र (महाप्रबन्धक–ट्रैनिंग), (डा0 अर्पित श्रीवास्तव), (सलाहकार– आर0आई0) तथा मुहम्मद फिरोज (कार्यक्रम समन्वयक, आर.बी.एस.के.) ने राज्य स्तरीय टीम द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की तथा जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा व्यक्त जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

(मुहम्मद फिरोज)	(डा0 अर्पित श्रीवास्तव)	(डा0 अनिल कुमार मिश्रा)
कार्यक्रम समन्वयक–आर.बी.एस.के.	सलाहकार–आर0आई0	महाप्रबन्धक–ट्रेनिंग